मूल्य 1 रु.

वर्षः 10 - अंक : 185, मुंबई, बुधवार, 30 सितंबर, 2020 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस. खान

दैनिक मुंबई हलचल

भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त (R)

अब हर सच होगा उजागर

एक और बेटी... दरिंदगी का शिकार

उसकी रीढ़ की हड्डी तोड़ी

जीभ काट दी, 15 दिन सिर्फ इशारे से बताती रही

जिंदगी से जंग हार गई वो बेटी

संवाददाता / हाथरस। यूपी के हाथरस में हैवानियत का शिकार हुई दलित गुड़िया जिंदगी से जंग हार गई। हैवानों ने गैंगरेप के बाद उसकी जीभ भी काट दी थी। उसकी रीढ़ की हड्डी तोड़ दी गई थी। वारदात के बाद वह एक हफ्ते से ज्यादा बेहोश रही थी। सोमवार को ही हालत खराब होने के बाद किशोरी को एम्स दिल्ली ले जाया गया था। मंगलवार की सुबह लगभग चार बजे उसने दम तोड़ दिया। मेडिकल परीक्षण में पता चला था कि युवकों ने गैंगरेप के बाद पीड़िता की रीढ़ की हड्डी को तोड़ डाला था। पुलिस ने छेड़खानी के आरोप में इस मामले में एफआईआर दर्ज की थी। (शेष पृष्ठ 3 पर)

14 सितंबर को सुबह-सुबह पीड़िता, उसका बड़ा भाई और मां गांव के जंगल में घास काटने गए थे। जब घास की एक गठरी बंध गई तो बड़ा भाई उसे लेकर घर चला आया। मां और बेटी खेत में अकेले रह गए। मां आगे घास काट रही थी। बेटी पीछे कुछ दूर उसे इकट्ठा कर रही थी। इसी दौरान चारों अभियुक्तों ने पीड़िता के गले में पड़े दुपट्टे से उसे बाजरे के खेत में खींच कर उसके साथ गैंगरेप किया

पीड़िता के लिए न्याय की मांग, देश के कई हिस्सों में प्रदर्शन

पिता कहते हैं - ये लोग गांव के ठाकुर हैं, ये लोग मेरी बेटी से दरिंदगी करने से पहले मेरे पिता से भी मारपीट कर चुके हैं, उनकी उंगलियां तक काट दी थी

॥शुभ लाभ॥
MIX MITHAI

• मोतीचूर लड्डू • काजू कतरी • काजू रोल
• बदाम बर्फी • मलाई पेड़े • रसगुल्ले
MM MITHAIWALA
Malad (W) Tel. : 288 99 501

कुवैत के शेख सबाह अल अहमद का निधन

पीएम मोदी बोले- भारत ने एक करीबी दोस्त खोया

कुवैत। कुवैत के वर्तमान शासक शेख सबाह अल अहमद अल सबाह का मंगलवार को 91 साल की आयु में निधन हो गया। जुलाई से कुवैती शेख का इलाज अमेरिका के एक अस्पताल में चल रहा था। 1990 के खाड़ी युद्ध के बाद से शेख सबाह अमेरिका के करीबी नेता थे। उनके निधन के बाद देश की अस्थाई शक्तियां उनके छोटे भाई शेख नवाफ अल अहमद अल सबा को दी गई हैं। उनके निधन पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दुख जताते हुए कहा कि भारत ने आज एक करीबी दोस्त खो दिया है। (शेष पृष्ठ 3 पर)

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

एक सेवा अनेक शुल्क

भारतीय रेल सेवा के लिए यात्रियों को पहले की तुलना में न केवल ज्यादा खर्च करना पड़ेगा, बल्कि कुछ सेवाओं में कटौती भी होगी। रेलवे को हो रहे घाटे की भरपाई के लिए तमाम तरह की सिफारिशों पर इन दिनों विचार चल रहा है, कुछ सिफारिशों पर सहमति बन गई है, तो कुछ सिफारिशें अभी विचार की प्रक्रिया में हैं। यूजर चार्ज अर्थात सेवा शुल्क पर तो केवल केंद्रीय मंत्रिमंडल की मुहर लगनी है। जो लोग भी स्टेशन पर आएंगे, उनसे यूजर चार्ज लिया जाएगा। रेल टिकट में भी यह शुल्क शामिल होगा और प्लेटफॉर्म टिकट में भी। अलग-अलग वर्ग के यात्रियों को अलग-अलग शुल्क चुकाना पडेगा। 10 रुपये से लेकर 50 रुपये तक के शुल्क का अतिरिक्त भुगतान यात्रियों को करना पड़ सकता है। अभी जैसी चर्चा चल रही है, करीब 15 या 17 प्रतिशत स्टेशनों के लिए ही यूजर चार्ज लिया जाएगा, लेकिन जैसे-जैसे स्टेशनों का विकास तेज होगा, वैसे-वैसे शुल्क के दायरे में भी बढ़ोतरी होती जाएगी। जिन स्टेशनों पर सबसे ज्यादा भीड़ जुटती है, वहां से रेलवे को ज्यादा कमाई होगी। नई दिल्ली जैसे रेलवे स्टेशनों पर रोज औसतन पांच लाख लोग आते हैं, तो ऐसे स्टेशन को इस शुल्क की वजह से प्रतिदिन दो करोड़ रुपये से भी ज्यादा की आय हो सकेगी। जिन स्टेशनों का विकास पीपीपी, (पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप) के तहत किया जा रहा है, उनके लिए यह राशि खर्च होगी। एक सवाल बहुत स्वाभाविक ही उठेगा कि जब स्टेशन को निजी हाथों के सहारे ही विकसित किया जा रहा है, तब यात्रियों पर यूजर चार्ज का अतिरिक्त भार लादने का क्या तुक है? हालांकि इस शुल्क वसूली के अपने मजबूत कारण हैं। पिछले सप्ताह, केंद्रीय रेल मंत्री ने संसद को बताया था कि कोविड-19 महामारी के कारण यात्री सेवाओं के प्रभावित होने के परिणामस्वरूप पिछले वर्ष की तुलना में इस वर्ष मार्च व अगस्त के बीच भारतीय रेलवे का यातायात राजस्व 42.3 प्रतिशत घट गया है। रेलवे को पेंशन और अन्य मदों में पैसों की कमी महसूस होने लगी है। ऐसे में, क्या एक ही रास्ता है कि भरपाई लोगों की जेब से की जाए? यह तो हुई शुल्क लगने की बात, पर ऑल इंडिया रेलवे मैन्स फेडरेशन ने सुझाव दिया है कि खर्च में कटौती के लिए रेलगाड़ियों से पेंट्री कार को हटा दिया जाए। गौरतलब है, बदले समय के साथ कुछ ही रेलगाड़ियों में अब पेंट्री की सुविधा बची हुई है। इस सुविधा को किन स्थितियों में शुरू किया गया था, उन सिफारिशों व चर्चाओं को भी एक बार देख लेना चाहिए। पेंट्री सुविधा का बहुत हद तक निजीकरण भी कर दिया गया, लेकिन उसके बाद भी यह सेवा रेलवे को भारी पड़ रही है। पेंट्री कार की जगह यात्री बॉगी जोड़कर कमाई करने की पैरोकारी पसंद की जा रही है। फेडरेशन की इस सिफारिश पर रेलवे गंभीरता से विचार कर रहा है। विडंबना है, फेडरेशन की कई सिफारिशों पर रेलवे ध्यान नहीं देता। जैसे, फेडरेशन लंबे समय से कहता रहा है कि ज्यादा से ज्यादा काम खुद रेलवे के विभिन्न निकायों से लिया जाए, कार्यों को आउटसोर्स न किया जाए, लेकिन तब भी रेलवे में निजीकरण बढ़ता दिखता है। एक विभाग के रूप में रेलवे का विस्तार और आकार अब सिमटने लगा है। क्या रेलवे के बेहतर प्रबंधन का यह आखिरी दांव है? क्या निजीकरण का भार यात्रियों के माथे ही बढ़ता चला जाएगा?

सीएए और एनआरसी, 370 कानून गलत है उसी तरह से किसान बिल भी गलत है: शाहिद आफरीदी

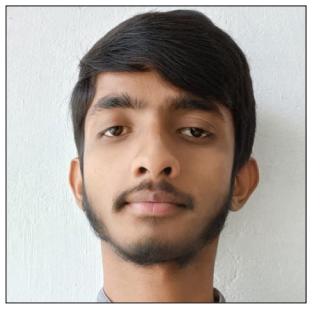

मधुबनी/संवाददाता
मो सालिम आजाद

जब कश्मीर और कश्मीरियों पर जुल्म हो रहा था तब देश का एक बड़ा तबका खुशी मना रहा था। जब सीएएऔर एनआरसी जैसा असंवैधानिक बिल आया तब भी देश का एक बड़ा तबका खुशी मना रहे थे। जब शाहीन बाग जैसे प्रोटेस्ट और प्रोटेस्ट करने के आधिकार खत्म किया जा रहा था तब देश का एक बड़ा तबका खुशी मना रहा था। जब लोगो को बेवजह अरेस्ट किया जा रहा था बिना जुर्म बिना जमानत के जेल में रखा जा रहा था उनकी प्रोपर्टी नीलाम जब हो रहा था तब भी देश का एक बड़ा तबका खुशी मना रहा था। जब लोकतन्त्र की हत्या करके राम मन्दिर बनाया गया तब भी देश का एक बड़ा तबका खुशी मना रहे थे। दिल्ली दंगो में मुस्लिमो के घर जलने पर उनके मरने पर भी उनकी खुशी का ठिकाना ना था। जब सरेआम मुसलमानों की लिचिंग हो रही थी तब भी वो लोग खुशी मना रहे थे। फिर आज किस मुंह से किसान विरोधी बिल आंदोलन में अल्पसंख्यक समाज का साथ मांग रहे हो। मुल्क के लिए सीएए और एनआरसी कानून गलत तरीके से बनाकर संसद में पेश की उसी तरह से आज किसान बिल को गलत तरीके से कानून बनाकर देश और समाज में नफरत का जहर बोहकर बीजेपी सरकार अपनी मन मानी रवैया अख्तियार किए हुए है। आखिर बड़ी कंपनियाँ किसानों की फसल खरीदने और किसानों को लाभ पहुँचाने के लिए इतना उत्सुक क्यों हैं? वो भी ऐसी कंपनियाँ जो अपने लाभ के अलावा कुछ भी नहीं देखतीं! आखिर क्यों सरकार चाहती है कि किसान अपनी फसल बड़ी कंपनियों को बेचे? कहीं ऐसा तो नहीं है कि सरकार और इन कंपनियों में कुछ समझौता हो गया हो कि हम सीधे तो एमएसपी और सरकारी खरीद को समाप्त कर नहीं सकते तो आप एक काम करो, हम आपको किसान की फसल खरीदने का अधिकार दे देते हैं और आप कुछ समय के लिए किसानों की फसल महँगे दाम पर खरीदना और फिर जब किसान मंडी और सरकार के पास अपनी फसल बेचने ही नहीं आएगा तो सरकारी मंडी और सरकारी खरीद को यह कहकर बंद कर दिया जाएगा कि किसान अपनी फसल मंहगे दाम पर सीधे कंपनियों को बेचकर खुश हैं और वो मंडी में आ ही नहीं रहा वो सरकार को अपनी फसल नहीं बेच रहा। फिर उन्हीं मंडियों की जगह प्राइवेट कंपनियों को सस्ते दाम पर दे दी जाएगी और फिर खेल शुरू होगा किसानों को लूटने का। कंपनी जिस दाम पर चाहेगी किसान को अपनी फसल बेचनी ही होगी और यदि नहीं बेची तो फसल पड़ी पड़ी सड़ जाएगी क्योंकि न तो किसान के पास अपनी फसल को बेचने का और कोई विकल्प होगा और न ही फसल को स्टोर करने की जगह किसान के पास होगी। जैसे जबँहॉयब्रीड बीज आए तो कहा गया कि किसान की फसल बढ़ेगी पर यह नहीं बताया कि यह बीज वह दुबारा उपयोग नहीं कर पाएगा। पहले किसान अपने ही खेत में हुई फसल में से 10% बीज के लिए बचा लेता था और 90% फसल को बेच देता था। व्यापारियों को किसी न किसी तरह किसान को खुद पर निर्भर बनाना था तो उन्होंने बीज का रस्ता चुना, अब किसान को हर बार फसल के लिए बीज खरीदना ही पड़ता है। ऐसे ही खाद कंपनियों से मिलीभगत करके सरकार ने किसानों को कहा कि वे कूड़ा, गोबर या वार्गेनिक खाद खेत में डालने की जगह जहरीली कैमिकल युक्त खाद डालें जिससे की फसल अधिक होगी पर यह नहीं बताया कि यह खाद जमीन की नेचुरल उर्वरता को समाप्त कर देगी और किसान को फिर हर वर्ष यह खाद खरीदनी होगी। जीओ का उदहारण हमारे सामने है पहले फ्री दिया और मार्केट पर कब्जा कर लिया, अब मन मजी के दाम माँगेंगे और ग्राहकों को देना पड़ेगा। आजादी के बाद से अब तक बनी सरकारों ने केवल और केवल किसानों को लूटने के लिए ही कानून बनाएँ है।

आज सरकार को दिख रहा है कि जब सभी क्षेत्रों में जीडीपी गिर रही है वहीं कृषि में +3% की ग्रोथ हुई है तो बस सरकार को लगा की किसानों को लूट लिया जाए। समाज हित और भारतवासी 130 करोड़ की आबादी सरकार से माँग करती है कि एमएसपी को प्राइवेट कंपनियों पर भी लागू किया जाए, एमएसपी को व्यवहारिक बनाया जाए ताकि किसान को कम से कम अपनी लागत का दो गुना मुनाफा हो सके और यदि कोई भी व्यक्ति एमएसपी से नीचे किसान के उत्पाद को खरीदता है तो उसके ऊपर देशद्रोह का मुकदमा चले। किसान द्वारा किसान बिल को बनाया जाय, और उनके अनुसार ही कानून बनाकर पारित करे। पिछले साल के रिकार्ड को देखा जाय तो जिस राज्य में एमएसपी लागू नहीं है यानी की हमारा बिहार वहां धान का मूल्य 1350 रुपया, गेहूं का मूल्य.1500,-1600 के करीब था और जिस राज्य में एमएसपी लागू है पंजाब और हरियाणा वहां धान 1750, गेहूं 1925 रुपए के करीब बिकी अब सोचने वाली बात ये है कि एमएसपी होने से घाटा कैसे है। केंद्र की सरकार जो दवा कर रही है कि इस बिल से किसान अपनी। फसल को कही भी किसी भी राज्य में बेच सकते है तो1970-1975 में ही किसानों को अपनी फसल किसी से भी बेचने की आजादी मिल चुकी थी फिर आज बदतर स्थिति क्यों है। साफ तौर पर अब जिस तरह से अन्य सेक्टरों को कॉरपोरेट को सौंप दिया गया वैसे ही अब कृषि को भी अडानी अंबानी को सौंपने की तैयारी है जिसे हम होने नहीं देंगे जिस तरह से जीएसटी लाकर छोटे व्यापारियों के पेट पर लात मार दिया गया कई लाख प्राइवेट कंपनियों को बंद कर करोड़ों युवाओं को बेरोजगार कर दिया गया अब यही हाल केंद्र की सरकार किसानों को बर्बाद करने की मंशा सोच रही है जिसे हम पूरा नहीं होने देंगे अब किसान मजदूर छात्र युवा सबको सड़क पर आकर संघर्ष करना पड़ेगा। हर किसी को मिलकर लड़ना पड़ेगा सरकार मौजूद स्थिति में अम्बानी जैसों का गुलाम है हमें भी वह गुलाम बनाना चाहते है इसलिए हमें अपनी संघर्ष खुद करना होगा मौजूदा दौर में।

बेलगाम सोशल मीडिया पर जरूरी है लगाम

लोकतंत्र और नागरिक अधिकारों की बहाली को लेकर अरब देशों में छिड़े आंदोलन की वजह से जिस सोशल मीडिया की वर्ष 2011 में बलैया ली जा रही थीं, नौ साल बाद पूरी दुनिया उसी सोशल मीडिया को नियंत्रित करने की सोचने लगी है। यह ठीक है कि ट्यूनीशिया से शुरू लोकतंत्र समर्थक आंदोलन को गति देने में सोशल मीडिया ने बड़ी भूमिका निभाई, देखते ही देखते जिसका असर मिस्र के तहरीर चौक तक पहुंच गया, जहां लोकतंत्र के समर्थन में व्यापक जुटान हुआ। अरब से बही बयार उसी वर्ष भारत पहुंच गई और यहां भी सोशल मीडिया की क्रांति ने अपना प्रभाव दिखाना शुरू कर दिया। अन्ना हजारे की अगुआई में दिल्ली के जंतर-मंतर पर हुए इंडिया अगेंस्ट करप्शन के आंदोलन के रूप में इसका नतीजा सामने आया। देश से लेकर विदेशों तक फैले भारतीय समुदाय को इस आंदोलन से जोड़ने में सोशल मीडिया ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। यही वजह रही कि सोशल मीडिया को तब वैश्विक इतिहास का सबसे क्रांतिकारी आविष्कार माना जाने लगा। इन दिनों यह सवाल मौजूं हो चुका है कि जिस सोशल मीडिया में लोगों को उम्मीद नजर आने लगी थी, आखिर ऐसा क्या हुआ कि अब उसे दैत्याकार और विनाशक रूप में देखा जाने लगा है। सुप्रीम कोर्ट में एक टीवी चैनल पर प्रसारित होने जा रहे एक कार्यक्रम के खिलाफ दायर याचिका की सुनवाई के दौरान केंद्र सरकार ने जो हलफ नामा दायर किया है, उसमें सरकार ने भी माना है कि समाचार, मनोरंजन, खेल, भक्ति और विज्ञापन क्षेत्र से जुड़े चैनलों ने आत्म अनुशासन और आत्म नियमन के लिए स्वायत्त इंतजाम कर रखे हैं। लेकिन डिजिटल मीडिया में ऐसी कोई व्यवस्था नहीं है, लिहाजा उसको रेगुलेट करने की सख्त जरूरत है। यह पहला मौका नहीं है जब सरकार ने सोशल मीडिया को लेकर ऐसी बात कही है। इसके पहले 22 अक्टबर 2019 को भी सरकार, सुप्रीम कोर्ट में ऐसी ही बात कह चुकी है। तब सरकार ने कहा था, इंटरनेट और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ने भड़काऊ बयानों और फर्जी खबरों की समस्या काफी बढ़ा दी है। उसके मुताबिक इससे गैर कानूनी और राष्ट्र विरोधी गतिविधियों में भी भारी इजाफा हुआ है। इसके चलते लोकतांत्रिक राजनीति को खतरा है। यह सच है कि अपने आर्थिक दबावों और अपनी सांस्थानिक नीतियों की वजह से मुख्यधारा का मीडिया कई बार कुछ असहज समाचारों से परहेज कर लेता है। लेकिन सामान्यतया वह अतिरेकी नहीं हो पाता। अखबारों और दूसरे प्रकाशनों में अपवादस्वरूप ही समाचारों और विचारों को लेकर अतिरेकी व्यवहार दिखता है। इसकी वजह यह है कि भारतीय अखबारों का जन्म स्वाधीनता आंदोलन की कोख से हुआ है। आजादी के पहले तक उनका मुख्य उद्देश्य भारतीयता और राष्ट्रीयता के प्रति जागरूकता बढ़ाना था। तब वे स्वाधीनता आंदोलन के सहयोगी थे। स्वाधीनता के बाद के भारतीय समाज को बनाने को लेकर उनकी गहरी दिलचस्पी थी, इसलिए भावी लोकवृत्त के लिए मानवीय और राष्ट्रीय मूल्य बढ़ाने में भी वे आते रहे।

दैनिक
मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

मध्य रेलवे फर्जी पहचान पत्रों से लोकल ट्रेनों में यात्रा करने वालों पर प्राथमिकी दर्ज करेगा

मुंबई। मध्य रेलवे ने मुंबई में लोकल ट्रेनों में यात्रा के लिए फर्जीवाड़ा कर आवश्यक सेवा से जुड़े कर्मियों जैसे पहचान पत्रों का इस्तेमाल करने वालों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने का फैसला किया है। एक अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। लोकल ट्रेनों में भीड़भाड़ की शिकायतों के बीच, मध्य रेलवे (सीआर) के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी शिवाजी सुतार ने बताया कि उन्होंने अब तक फर्जी पहचान-पत्र के साथ 30 लोगों को पकड़ा है और जिनमें से दो के खिलाफ प्रथम सूचना रिपोर्ट (एफआईआर) दर्ज करायी गयी है। सुतार ने कहा, भविष्य में फर्जी पहचान-पत्र के साथ उपनगरीय लोकल ट्रेनों में यात्रा करने वालों के खिलाफ राजकीय रेलवे पुलिस प्राथमिकी दर्ज करेगी। रेलवे

अधिकारियों ने कहा कि उन्हें पता चला है कि कुछ लोग फर्जी क्यूआर-कोड वाले पहचान पत्र बना रहे हैं और शहर के कुछ हिस्सों में इसके लिए लोग 500 रुपये से 600 रुपये तक वसूल रहे हैं। कोविड-19 महामारी के मद्देनजर, आम नागरिकों को वर्तमान में मुंबई की जीवन रेखा मानी जाने वाली उपनगरीय ट्रेनों में यात्रा करने की अनुमति नहीं है। वर्तमान में, राज्य और केंद्र सरकार के कर्मचारी, राष्ट्रीयकृत और निजी बैंकों के कर्मचारी, सार्वजनिक उपक्रमों, फार्मा कंपनियों और अन्य आवश्यक सेवाओं में कार्यरत कर्मचारियों को विशेष उपनगरीय ट्रेनों में यात्रा करने की अनुमति है और क्यूआर कोड-आधारित पहचान पत्र उनके लिए अनिवार्य हैं।

उद्धव सरकार ने की जनता से अपील

इस वर्ष ना मनाएं गरबा और डांडिया

मुंबई। महाराष्ट्र में इस बार नहीं मनेगा गरबा और डांडिया सरकार ने दिया आदेश। राज्य में कोरोना का संकट अभी भी जस का तस बना हुआ है। सूबे के ग्रामीण भाग अभी भी इस महामारी की चपेट में आ रहे हैं। सरकार इससे निपटने के लिए युद्ध स्तर पर प्रयास कर रही है लेकिन कोरोना नियंत्रण में नहीं आ पा रहा है। कोरोना की वजह सभी त्यौहार भी बेहद ही सादगी पूर्ण रूप से मनाए जा रहे हैं। महाराष्ट्र सरकार ने

आगामी नवरात्री के लिए भी पहले से ही नागरिकों के लिए दिशा निर्देश जारी कर दिए हैं ताकि त्यौहार के इस मौसम में कोरोना का प्रसार बढ़ने न पाए। महाराष्ट्र में गणपति के बाद नवरात्री और गरबा की धूम रहती है। जगह जगह माता रानी के पंडाल सजाए जाते हैं और पूजा अर्चना की जाती है। इस दौरान गरबा और डांडिया का भी बड़े पैमाने पर आयोजन किया जाता है। जिसे खेलने और देखने के लिए दूर दूर से लोग आते हैं। लेकिन कोरोना के बढते असर और नागरिकों की सुरक्षा को देखते हुए महाराष्ट्र सरकार ने इसे इस वर्ष के लिए प्रतिबंधित कर दिया है।

गणपति जैसे ही नियम नवरात्रि के लिए भी: सरकार ने हाल ही में गुजरे गणेशोत्सव के लिए जो नियम बनाए थे वही नियम इस बार नवरात्रि में भी लागू किए जाएंगे। यानी मूर्तियों की ऊंचाई मंडल के लिए 4 फुट की होगी जबकि घर में लाई जाने वाली मूर्ति की ऊंचाई 2 फुट होनी चाहिए। साथ ही सार्वजनिक नवरात्र मंडल को स्थानीय नगरपालिका की मंजूरी लेनी अनिवार्य होगी और उनके दिशा निर्देशों का पालन सख्ती के साथ करना होगा। मंडप में भीड़ ना लगने पाए इस बात का खास ख्याल रखना होगा। साथ ही कोरोना से बचाव कैसे करें यह बताने वाले विज्ञापन लगाने होंगे।

मादक पदार्थ तस्कर गिरफ्तार

14.4 लाख रुपये की मूल्य की मेफेड्रोन जब्त

संवाददाता

मुंबई। मुंबई पुलिस ने गोरेगांव उपनगर में 22 वर्षीय मादक पदार्थ तस्कर को गिरफ्तार कर उसके पास से 14.40 लाख रुपये के मूल्य का प्रतिबंधित मादक पदार्थ मेफेड्रोन बरामद किया है। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि अपराध शाखा ने गुप्त सूचना के आधार पर सोमवार रात इलाके में जाल बिछाया था। उन्होंने कहा कि आरोपी नूर मोहम्मद महबूब खान रात 9 बजकर 20 मिनट पर फिल्म सिटी रोड पहुंचा और किसी के इंतजार के लिए फुटपाथ पर खड़ा हो गया। उसकी हरकतें संदिग्ध लग रही थीं। अधिकारी ने कहा कि इससे पहले कि वह आगे बढ़ता पुलिस टीम उसके पास जा पहुंची। तलाशी के दौरान उसके पास से 480 ग्राम मेफेड्रोन मिला। मेफेड्रोन को 'म्यांउ म्यांउ' या एमडी भी कहा जाता है। यह एक कृत्रिम पदार्थ है। अधिकारी ने कहा कि कुर्ला के कमानी इलाके के निवासी आरोपी ने पूछताछ के दौरान स्वीकार किया कि वह अपने ग्राहक को मादक पदार्थों की आपूर्ति करने आया था। उन्होंने कहा कि यह भी पता चला है कि वह हत्या के प्रयास समेत कम से कम 10 संगीन अपराधों में शामिल रहा है। साथ ही वह घाटकोपर उपनगर में दर्ज दो आपराधिक मामलों में भी वांछित है। अधिकारी ने कहा कि पुलिस पता लाने का प्रयास कर रही है कि आरोपी ने प्रतिबंधित मादक पदार्थ कहां से खरीदा और किसे इसकी आपूर्ति की जानी थी। उन्होंने कहा कि मुंबई की एक अदालत ने आरोपी को तीन अक्टूबर तक पुलिस हिरासत में भेज दिया है।

(पृष्ठ 1 का शेष)

एक और बेटी...

21 सितंबर को किशोरी के होश में आने के बाद किए गए डॉक्टरी परीक्षण के दौरान मेडिकल रिपोर्ट में गैंगरेप की पुष्टि हुई। इसके बाद मामले ने तूल पकड़ लिया। पीड़िता ने होश में आने पर यह भी बताया था कि आरोपियों ने उसकी जीभ काट दी थी, जिससे वह लोगों को घटना के बारे में ना बता सके। हाथरस के थाना चंदपा इलाके के गांव में 14 सितंबर को चार दबंग युवकों ने 19 साल की दलित लड़की के साथ बाजरे के खेत में गैंगरेप किया था। इस मामले में पुलिस ने लापरवाही भरा रवैया अपनाया। रेप की धाराओं में केस ना दर्ज करते हुए छेड़खानी के आरोप में एक युवक को हिरासत में लिया। इसके बाद उसके खिलाफ धारा 307 (हत्या की कोशिश) में मुकदमा दर्ज किया गया था। घटना के 9 दिन बीत जाने के बाद पीड़िता होश में आई तो अपने साथ हुई आपबीती अपने परिजनों को बताई। जब पीड़िता का डॉक्टरी परीक्षण हुआ तो इसमें गैंगरेप की पुष्टि होने के बाद हाथरस पुलिस ने तीन युवकों को गिरफ्तार किया। बाद में एक और आरोपी को अरेस्ट किया गया था। वहीं इस मामले में यूपी सरकार के प्रवक्ता सिद्धार्थनाथ सिंह ने कहा है कि जो घटना है वो बेहद दुखद है। हमारे मुख्यमंत्री जी भी बहुत दुखी हैं। पूरी सरकार उस परिवार के साथ संवदेना प्रकट कर रही है। लेकिन जब यह घटना हुई तो पीड़िता के भाई जब पुलिस स्टेशन गए तो कार्रवाई तुरंत हुई। चार लोगों को पुलिस ने पकड़ा है। सरकार कानून के तहत कड़ी कार्रवाई करेगी। सरकार की तरफ से इसे मुआवजा नहीं कहना चाहिए पीड़ित परिवार को 10 लाख रुपये की मदद दी जा रही है। परिवार वाले चाहते हैं कि सरकार की तरफ से सफदरगंज अस्पताल से बॉडी जल्द दिलवा दें तो सरकार उस दिशा में काम कर रही है। सरकार अपनी तरफ से हर संभव मदद कर रही है। मामले के दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा, मामले में कठोर कार्रवाई होगी।

कुवैत के शेख सबाह अल अहमद का निधन

शाही परिवार के प्रभारी मंत्री शेख अली जर्राह अल-सबाह ने शेख सबाह अल अहमद अल सबाह के निधन की पुष्टि की है। बताया जा रहा है कि 2019 में उनकी तबीयत अचानक खराब हो गई थी जिसके बाद उनका इलाज कुवैत के ही एक अस्पताल में चल रहा था। सर्जरी के लिए जुलाई में उन्हें अमेरिकी एयरफोर्स के सी-17 ग्लोबमास्टर के जरिए मिनेसोटा के मेयो क्लिनिक में भर्ती करवाया गया था। 1929 में जन्मे शेख सबा को आधुनिक कुवैत की विदेश नीति के वास्तुकार के रूप में जाना जाता है। प्रधानमंत्री बनने से पहले उन्होंने 1963 से 2003 के बीच लगभग 40 वर्षों तक विदेश मंत्री के रूप में कार्य किया था। शेख जाबेर अल-सबा की मृत्यु के बाद जनवरी 2006 में वे कुवैत के अमीर बने थे। शेख सबाह के निधन के बाद उनके सौतेले भाई क्राउन प्रिंस नवाफ अल-अहमद अल-सबाह को ई, देश के संवैधानिक कानून के अनुसार नया शासक नियुक्त किया गया है। उनकी उम्र भी 83 साल के आसपास है। प्रिंस नवाफ कुवैत के बड़े राजनेता हैं। उन्होंने दशकों तक रक्षा और आंतरिक विभागों सहित खई उच्च पदों को संभाला है। शेख सबाह ने कतर और अन्य अरब देशों के बीच विवाद के कूटनीतिक हल के लिए भी कोशिशें कीं और यह प्रयास आज की तारीख तक जारी रहे। वह 2006 में कुवैत के अमीर बने थे। इससे पहले कुवैत की संसद ने उनके पूर्ववर्ती अमीर शेख साद अल अब्दुल्लाह अल सबाह को नौ दिन के शासन के बाद ही बीमारी की वजह से तख्त से हटा दिया था। इराकी फौजें 1990 में कुवैत में घुस आई थीं। इसके बाद अमेरिकी नीत जंग में इराकी सेना को खदेड़ दिया गया था।

मुंबई में हार रहा कोरोना

ठीक होने वालों में इजाफा

संवाददाता

मुंबई। कोरोना संक्रमित मरीजों की संख्या बढ़ने के साथ ही मुंबई में तेजी से लोग ठीक भी हो रहे हैं। मुंबई का रिकवरी रेट 82 प्रतिशत तक पहुंच गया है। केवल 10 दिन में ही 27,219 लोग कोरोनामुक्त हो चुके हैं। वहीं, सितंबर में 47,615 लोग वायरस को मात देने में सफल हुए हैं, जबकि इस महीने रोग के करीब 50 हजार नए मामले दर्ज हुए हैं। कोरोना के हराने के लिए स्वास्थ्य विभाग की मुहिम के अच्छे नतीजे आने लगे हैं। आलम यह कि बीते कुछ दिन में नए मामलों से ज्यादा लोगों को अस्पताल से डिस्चार्ज किया जा रहा है। आंकड़ों के अनुसार, मार्च से अब

तक केवल 2 जुलाई को 5,903 लोगों को विभिन्न अस्पतालों से डिस्चार्ज किया गया था। इसके बाद पिछले दो महीने से केवल 1000 से 2000 मरीज ही रोजाना रोगमुक्त हो रहे थे। मरीजों के तेजी से ठीक होने के बाद विभिन्न अस्पतालों में अब केवल 26,660 मरीजों का उपचार चल रहा है। यहां अब तक 1,64,883 लोग कोरोना मुक्त हो चुके है। मार्च से अब तक 2,00,775 लोग कोरोना वायरस से संक्रमित हो चुके है। सोमवार को भी 1,944 लोग वायरस को हराने में सफल हुए है। बता दे कि कोरोना का प्रकोप मुंबई समेत पूरे राज्य में है, लेकिन राज्य में मुंबई का रिकवरी रेट सबसे बेहतर है। मुंबई का रिकवरी रेट 82 प्रतिशत है, वहीं राज्य में 77.71 प्रतिशत की दर से लोग ठीक हो रहे है।

समय पर मरीज की पहचानः रोग को नियंत्रित करने के लिए स्वास्थ्य विभाग ने शहर में होने वाले कोरोना टेस्ट की क्षमता में वृद्धि की है। रोजाना अब करीब 15 हजार लोगों का टेस्ट हो रहा है। बीएमसी के अतिरिक्त आयुक्त सुरेश काकानी के अनुसार, संक्रमित मरीज की जल्द पहचान कर के कोरोना को पूरी तरह से नियंत्रित किया जा सकता है। इसी योजना के तहत अब काम किया जा रहा है। अब तक 11 लाख लोगों का कोरोना टेस्ट किया जा चुका है। समय पर मरीजों का उपचार शुरू होने से मृत्युदर में कमी आने के साथ ही लोग तेजी से ठीक भी हो रहे हैं। संक्रमित मरीजों की पहचान के लिए स्वास्थ्यकर्मी घर-घर पहुंच लोगों की जांच कर रहे हैं।

सुविधा में बढ़ोतरीः रोग से सीख लेने के बाद स्वास्थ्य विभाग ने चिकित्सा सुविधाओं में भी बढ़ोतरी की है। इसका भी लाभ लोगों को मिल रहा है। काकानी के अनुसार, मुंबई में अधिकतर मरीज बगैर लक्षण वाले हैं। पीड़ितों के अनुसार, अब योजना तैयार की जा रही है। उपचार के लिए अस्पताल में पर्याप्त बेड की व्यवस्था की गई है। लोगों में रोग के प्रति जागरूकता भी बढ़ी है, इसलिए अब लोग कोरोना से घबरा नहीं रहे हैं। लक्षण दिखने पर तत्काल स्वास्थ्य केंद्र या अस्पताल आ रहे हैं।

एक और 'सुशांत'

बिहार के रहने वाले एक्टर अक्षत की मुंबई में संदेहास्पद हालात में मौत

परिजनों ने लगाया हत्या का आरोप, मुंबई पुलिस ने नहीं किया सहयोग

मुंबई। एक्टर सुशांत सिंह राजपूत की मौत की गुत्थी अभी सुलझी भी नहीं है कि मुंबई में बिहार के एक और एक्टर अक्षत उत्कर्ष की संदिहास्पद परिस्थितियों में मौत हो गई। परिजनों का आरोप है कि अक्षत की हत्या की गई है। उन्होंने मुंबई पुलिस पर सहयोग नहीं करने का आरोप लगाया है। मुंबई पुलिस ने परिजनों को अक्षत की मौत के मामले में दर्ज हुई प्राथमिकी की कॉपी भी नहीं दी। अक्षत मूल रूप से मुजफ्फरपुर के सिकंदरपुर के रहने वाले थे। मंगलवार सुबह परिजन अक्षत के शव को विमान से लेकर पटना एयरपोर्ट पहुंचे। वहां से परिजन शव को मुजफ्फरपुर

ले गए। अक्षत के मामा रंजू सिंह ने कहा कि पूरा मामला संदिहास्पद है। अक्षत ने रविवार रात पौने नौ बजे पिता विजयंत किशोर से बात की थी। उसी रात साढ़े 10 से 11 बजे के बीच उनकी मौत की सूचना मिली। अक्षत के साथ रह रही उनकी महिला मित्र स्नेहा चौहान ने परिजनों को फोन कर घटना की सूचना दी। स्नेहा मूल रूप से नोयडा की रहने वाली है। स्नेहा ने अक्षत के फुफेरे भाई को फोन कर कहा था कि अक्षत ने फांसी लगा ली है। सूचना मिलने के बाद अक्षत के परिजन सोमवार को मुंबई गए। परिजनों के अनुसार फांसी लगाने के बाद अक्षत को गंभीर हालत में मुंबई के कोकिलाबेन अस्पताल ले जाया गया था। जहां से गंभीर हालत देख उन्हें कूपर हॉस्पिटल भेज दिया गया। कूपर हॉस्पिटल में अक्षत की मौत हो गई। परिजनों ने आरोप लगाया कि 6 फीट हाइट वाला अक्षय मोटे तौलिए से फंदा लगाकर कैसे मर सकता है? अक्षत ने आत्महत्या नहीं की है। उनकी हत्या की गई है।

प्राइवेट कंपनी में काम करने साथ एक्टिव भी कर रहे थे अक्षत

अक्षत दो साल से मुंबई के अंधेरी वेस्ट में रह रहे थे। उन्होंने एमबीए किया था। मुंबई में प्राइवेट कंपनी में जॉब करने के साथ ही एक्टिंग भी कर रहे थे। आने वाले फिल्म 'लिट्टी चोखा' में उन्होंने रोल किया था।

पुलिस ने बताया सुसाइड

मुंबई पुलिस के अनुसार अक्षत ने सुसाइड की। वह काम की कमी के कारण उदास था। अक्षत आरटीओ ऑफिस के पास अंधेरी वेस्ट में पार्टनर के साथ लिव इन रिलेशनशिप में रह रहा था। उनकी प्रेमिका ने कहा- अक्षत रविवार शाम को अजीब व्यवहार कर रहा था। करीब घंटे भर बात करने और सोने से पहले डिनर साथ में किया था। जब मैं रात में करीब 11.30 बजे जागी तो अक्षत हॉल में लटका हुआ मिला। मैंने तुरंत पुलिस को 100 पर सूचना दी। अंबोली पुलिस मौके पर पहुंची और उसे अस्पताल ले गई जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया।

दीपिका, सारा, श्रद्धा कपूर और रकुलप्रीत के बैंक खातों की जांच होगी

नारकोटिक्स ब्यूरो 7 मेल एक्टर्स से भी पूछताछ करेगा

मुंबई। सुशांत सिंह राजपूत की मौत से जुड़े ड्रग्स मामले की जांच में नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) अब दीपिका पादुकोण, सारा अली खान, श्रद्धा कपूर और रकुलप्रीत सिंह के बैंक खातों से हुए लेन-देन की जांच करेगा। इन एक्ट्रेस से एनसीबी के अधिकारी ड्रग्स से जुड़ी वॉट्सएप चैट के बारे में कई घंटे की पूछताछ कर चुके हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक अब यह जानने की कोशिश की जा रही है कि इन्होंने ड्रग्स खरीदने के लिए कोई ट्रांजैक्शन किया या नहीं। बताया जा रहा है कि चारों एक्ट्रेस के पिछले 3 साल में क्रेडिट कार्ड्स से किए गए पेमेंट्स की जांच की गई है। एनसीबी के हवाले से यह भी दावा किया जा रहा है कि ड्रग्स मामले में बॉलीवुड के कई बड़े प्रोड्यूसर और 7 बड़े एक्टर से भी पूछताछ के लिए हरी झंडी मिल चुकी है। इस मामले में अब तक हुई पूछताछ में जो नाम सामने आए हैं, उनसे सवाल करने के लिए एनसीबी चीफ ने परमिशन दे दी है।

दीपिका ने ड्रग्स चैट की बात कबूली थी

एनसीबी ने शनिवार को दीपिका पादुकोण से साढ़े पांच घंटे पूछताछ की थी। सूत्रों के मुताबिक उन्होंने अपनी मैनेजर करिश्मा प्रकाश से ड्रग्स चैट की बात कबूल की थी, हालांकि ड्रग्स लेने से इनकार किया था। बताया जा रहा है कि सारा और श्रद्धा ने पूछताछ में कहा था कि सुशांत ड्रग्स लेते थे। इनसे पहले रकुलप्रीत सिंह ने रिया से ड्रग्स के बारे में चैट करना कबूल किया था।

बिहार चुनाव में फायदा लेने के लिए सुशांत मामले का इस्तेमाल महाराष्ट्र को बदनाम करने में किया गयाः अनिल देशमुख

मुंबई। अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत की विसरा रिपोर्ट में जहर नहीं पाए जाने की खबरों का हवाला देते हुए महाराष्ट्र के गृह मंत्री अनिल देशमुख ने मंगलवार को आरोप लगाया कि 'कुछ दलों' ने बिहार चुनाव में फायदा लेने के लिए राज्य को बदनाम किया। उन्होंने कहा कि वह अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत की मौत की सीबीआई जांच के नतीजे का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

देशमुख की यह टिप्पणी केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) के उस बयान के एक दिन बाद आई जिसमें कहा गया है कि वह राजपूत की मौत के मामले में किसी नतीजे पर नहीं पहुंचा है और सभी पहलुओं की जांच चल रही है। देशमुख ने संवाददाताओं से कहा, एम्स की आयी रिपोर्ट (मीडिया में आयी कुछ खबरों के दावे के मुताबिक) कहती है कि सुशांत सिंह राजपूत के विसरा में कोई जहर नहीं था। उन्होंने कहा, मुंबई पुलिस बेहद पेशेवर तरीके से मामले की जांच कर रही थी लेकिन अचानक जांच सीबीआई को सौंप दी गई। देशमुख ने कहा, ऐसा लगता है कि कुछ दलों ने महाराष्ट्र और मुंबई पुलिस को बदनाम करने की साजिश रची। कई लोगों पर आरोप लगाए गए। सुशांत की मौत मामले का उपयोग आने वाले बिहार चुनाव के दौरान राजनीतिक फायदा प्राप्त करने के लिए किया गया।

ड्रग्स केसः रिया-शोविक को नहीं मिली बेल, जमानत पर फैसला सुरक्षित

मुंबई। सुशांत केस में सामने आए ड्रग्स एंगल में रिया चक्रवर्ती और उनके भाई शोविक की जमानत अर्जी पर बॉम्बे हाईकोर्ट में बहस पूरी हो गई है। कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रख लिया है। रिया 22 दिनों से सलाखों के पीछे हैं। रिया अब तक कई बार बेल की याचिका दाखिल कर चुकी हैं। लेकिन हर बार कोर्ट ने उनकी बेल याचिका खारिज की है। वहीं एनसीबी नहीं चाहती कि रिया और शोविक दोनों जेल से बाहर आए। एनसीबी ने तय किया है कि वो रिया की बेल का विरोध करेगी। एनसीबी ने अदालत में कई गंभीर तर्क दिए हैं। एनसीबी का कहना है कि अगर रिया-शोविक जेल से बाहर आएंगे तो जांच प्रभावित होगी। एनसीबी ने रिया को ड्रग्स सिंडिकेट का

हिस्सा बताया है। मालूम हो, अब तक एनसीबी ड्रग्स मामले में 20 गिरफ्तारियां कर चुकी है। एनसीबी की पूछताछ में सामने आया था कि शोविक ने रिया के कहने पर सुशांत के लिए ड्रग्स खरीदे थे। वहीं सैमुअल मिरांडा और दीपेश सावंत ने भी ड्रग्स केस में रिया पर ठीकरा फोड़ा था। बता दें, रिया चक्रवर्ती सुशांत केस में मुख्य आरोपी हैं। सीबीआई, ईडी की जांच में बेशक रिया किसी मुश्किल में नहीं फंसीं लेकिन एनसीबी ने रिया को शिकंजे में ले लिया। रिया और उनके भाई शोविक के कई ड्रग्स पेडलर्स संग कनेक्शन भी सामने आए। रिया और शोविक की ड्रग्स चैट भी सामने आई। जिसके बाद से ही दोनों जेल की सलाखों के पीछे हैं।

दैनिक
मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

बुलढाणा हलचल

कर्फ्यू में शिथिलता मिलने से सामान्य जनता को मिली राहत, रोजगार की तलाश मे है जिले के युवा

बुलढाणा। पिछले 8 दिनों से बुलढाणा शहर में 119 लोग कुरोना से संक्रमित होने के बाद शहर की जनता इधर ध्यान ना देते हुए रोजमर्रा की जीवन कैसा गुजारा जाए इसमें ही जनता जुटी हुई है। क्योंकि विगत 5 माह से कोरोना बीमारी महामारी से केंद्रीय और राज्य सरकार द्वारा लगाए गए लॉकडाउन के कारण जनता बेहद परेशान हो गई है। रोजमर्रा का जीवन गुजर-बसर करने के लिए कोई रोजगार ना होने के कारण आर्थिक परेशानी से जूझ रहे हैं। घरों में बैठे मानसिक रूप से परेशान नजर आ रहे। कुछ युवकों ने रोजगार बंद होने के कारण आत्महत्या करने की भी जिले में घटनाएं सामने आई है। सरकार द्वारा लॉकडाउन में सवलत मिलने से जनता को कुछ सहारा मिला जैसे अनलॉक होने के बाद लोगों को धीरे-धीरे रोजगार मिलने से उनकी परेशानी हल हो रही है। धीरे पिछले 1 महीने से जीवनयापन गुजारने

का मार्ग खुल रहा है। लेकिन पिछले 8 दिनों से बुलढाणा शहर के कोरोना पॉजीटीव की संख्या 119 होने के कारण नागरिकों में एक दहशत सी दिखाई दे रही है। आम जनता यह उलझन में है कि अगर दोबारा सरकार द्वारा लगाया गया तो जीवन कैसे गुजार जाए ऐसे कई परेशानियां सामने रखते हुए सामान्य जनता परेशान है। हाल ही में जिले के पालक मंत्री व विधायक द्वारा जनता की सुरक्षा के लिए 18 सितंबर से 2 अक्टूबर तक जनता कर्फ्यू घोषना सुनते ही आम जनता व्यापारी वर्ग काफी परेशानी में दिखाई दे रहे थे। क्योंकि पहले ही आम जनता और व्यापारी वर्ग 5 महीने से काफी परेशान थे इस बीच व्यापारी वर्ग और पालक मंत्री और विधायक इनमें चर्चा चर्चा करके इस जनता कर्मियों को समय देकर 9:00 से 5:00 बजे तक सभी कारोबार शुरू रहेंगे। इस चर्चा में निर्णय निकाला गया जिससे सामान्य जनता व्यापारी वर्ग कामगार मजदूर इन को राहत मिली।

दूसरी बेटी के जन्म पर मनाया गया अनोखा जश्न, गाजे-बाजे के साथ किया स्वागत

संवाददाता

बुलढाणा। आज के समय में भी कई लोग बेटा-बेटी में भेदभाव करते हैं जहां बेटियों को जन्म से पहले ही मार दिया जाता है। लेकिन बदलते वक्त के साथ लोगों की मानसिकता भी बदल रही है। ऐसा ही एक मामला बुलढाणा जिले के मलकापुर तहसील के कुमारी गांव में सामने आया जहां धोरण परिवार ने दूसरी बेटी के जन्म पर ऐसा जश्न मनाया कि लोग देखते ही रह गए। कुमारी गांव में रहने

वाले किशोर अजब राव धोरण इन्होंने पहली बेटी के जन्म पर भी स्वागत किया था इसी तरह दूसरी बेटी के जन्म पर परिवार वालों ने गाजे-बाजे के साथ बेटी को घर लाने का फैसला किया। गाजे बाजे के साथ बच्ची का स्वागत करते हुए घर ले आए और महालक्ष्मी के रूप में बालिका की आरती की। दूसरी बेटी को एक समर्थन के रूप में देखना चाहिए, न कि उसके माता-पिता के सिर पर बोझ समझे। इस तरह की एक आदर्श नीति परिवार द्वारा दी गई है।नीति परिवार को उम्मीद है कि इस माध्यम से लड़की के प्रति दृष्टिकोण थोड़ा बदल जाएगा। लड़की भी घर की रौशनी बन जाती है, लड़कियां सभी क्षेत्रों में आगे बढ़ रही हैं। परिवार द्वारा हर जगह इस नीति पर चर्चा की जा रही है।

10 रुपये उधार लेने के लिए अवैध शराब के सौदागर ने एक युवक के शरीर पर पेट्रोल डालकर जिंदा जलाया, युवक की मौत

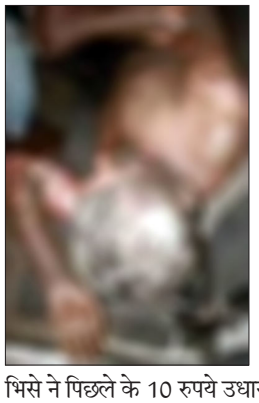

संवाददाता

बुलढाणा। जिले के मलकापुर तालुका में देवधाबा गांव के एक अवैध शराब डीलर ने 10 रुपये कर्ज नहीं चुकाने पर 5 सितंबर को काशीनाथ राजाराम उगले के शरीर पर पेट्रोल डालकर जलाने की कोशिश की थी। इलाज के दौरान 26 सितंबर को युवक की मौत हो गई। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार काशीनाथ राजाराम उगले (उम्र 45 वर्ष) देवधाबा से अशोक गणपत भिसे के घर शराब पीने के लिए गया था। शराब मांग ने पर इस समय, भिसे ने पिछले के 10 रुपये उधारी का भुगतान कर फिर तुझे शराब मिलेगी। यह कहते हुए, दोनों के बीच झगडा हो गया। इस दौरान अशोक भिसे ने घर से बिसलेरी की बोतल में पेट्रोल लेकर आया और काशीनाथ राजाराम उगले के शरीर पर पेट्रोल डाला और माचिस से आग लगा दी। इस मे उगले गंभीर रूप से जलने के बाद,उस की मौत हो गई। इस मामले मे अशोक भिसे को ग्रामीण पुलिस ने हत्या के प्रयास के लिए धारा 307 के तहत गिरफ्तार करलिया गया।

बुलढाणा जिले में 143 करोना पॉजिटिव मरीज उपचार के बाद 153 मरीज डिस्चार्ज, 2 ने तोड़ा दम

बुलढाणा। रैपिड एंटीजन टेस्ट किट द्वारा परीक्षण और परीक्षण के लिए प्रयोगशाला को भेजी गई रिपोर्टों से कुल 477 रिपोर्ट प्राप्त हुई हैं। इनमें से 334 रिपोर्ट कोरोना नेगेटिव और 143 रिपोर्ट पॉजिटिव पाए गए है। प्राप्त सकारात्मक रिर्पोटों में 133 प्रयोगशाला की रिपोर्ट और 10 रैपिड टेस्ट रिपोर्ट शामिल हैं। नकारात्मक रिपोर्ट में प्रयोगशाला से 224 रिपोर्ट और रॅपिड टेस्ट से परीक्षण से 110 रिपोर्ट शामिल हैं। इस प्रकार 334 रिपोर्ट नकारात्मक आई हैं। इसी तरह, उपचार के दौरान साखरखेर्डा ता . सिं . राजा 45 वर्षीय पुरूष व मूळ पत्ता फर्दापूर ता. सोयगांव. औरंगाबाद के एक 75 वर्षीय पुरुष मरीज की बुल्डाना महिला अस्पताल में मौत हो गई है। साथ ही अब तक 29786 रिपोर्ट निगेटिव आई हैं। इसी तरह आज तक 5820 कोरोना संक्रमित रोगियों को चिकित्सीय प्रोटोकॉल के अनुसार डिस्चार्ज किया गया है क्योंकि वे कोरोना नकारात्मक हैं। इस तरह से डिस्चार्ज होने वाले मरीजों की कुल संख्या 5820 है। आज, 984 नमूने रिपोर्ट का इंतजार कर रहे हैं। आज तक, कुल नकारात्मक रिपोर्ट की संख्या 29786 है। जिले में आज कुल 6997 कोरोना प्रभावित रोगी हैं, जिनमें से 5820 कोरोना संक्रमित हैं। रोगियों को चिकित्सा प्रोटोकॉल के अनुसार छुट्टी दे दी गई है क्योंकि उन्होंने कोरोना पर काबू पा लिया है। इसलिए, 1089 कोरोना संक्रमित रोगियों का वर्तमान में जिले के अस्पताल में इलाज चल रहा है। साथ ही जिले मे कोरोना बिमारी से मरने वालों की संख्या 88 तक पहुंच गई है।

समस्तीपुर हलचल

अपराधियों ने ठेकेदार को गोलियों से भूना, मौके पर मौत, सभी अपराधी फरार, दहशत में जीने को मजबूर है शहरवासी

समस्तीपुर। शहर के पौश इलाके में चली गोलियां। काशीपुर के हाई स्कूल के पास की घटना। रात्रि के करीब 10 बजे गोलियों की तड़तडाहट से सहम गया शहर। ठेकेदार रिंकू चौधरी उर्फ मुकेश 38 वर्ष को अपराधियों ने गोलियों से भून दिया।दो बाइक पर सवार तीन अपराधियों ने समस्तीपुर शहर के पॉश एरिया कहे जाने वाले काशीपुर गर्ल्स हाई स्कूल के पास रिंकू चौधरी को उनके घर पर चढ़ कर अंधाधुन गोली चलाकर छलनी कर दिया। बताया जाता है कि रिंकू चौधरी अपने घर के बरामदे पर ही बैठे थे कि अचानक बाइक सवार अपराधियों ने लगे हुये ग्रिल गेट के बाहर से ही से उनपर हमला कर दिया। अपराधियों की संख्या तीन बताया जा रहा है। हत्या के बाद सभी अपराधी हथियार लहराते हुए फरार हो गए। बताया जाता कि रिंकू चौधरी को 10 से ज्यादा गोलियाँ लगी और उनकी मौके पर ही मौत हो गई। जानकारी हो कि रिंकू चौधरी की माँ सुबोध चौधरी पुलिस विभाग में सिपाही के पद पर कार्यरत है और वह फिलवक्त समस्तीपुर मंडल कारा में पदस्थापित है, जबकि पिता स्व0 भूपेंद्र चौधरी पूर्व में नगरपालिका के कर्मचारी थे। वैसे तो हत्या की वजह का अबतक पता नही चल पाया है किन्तु संभावना यह जताई जा रही है कि ठेकेदारी की अदावत में ही इस घटना को अंजाम दिया गया है। पुलिस मौके पर पहुंच कर मामले की छानबीन में जुट गयी है। अपराधियों के भागने के सभी संभावित रास्तों को सील कर गस्ती पुलिस टीम को एलर्ट कर दिया गया है। मृतक के घर मे कोहराम मचा हुआ है वहीं इलाके में दहशत का माहौल बरकरार है।

समस्तीपुर में भाजपा युवा मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष तेजस्वी सूर्या ने प्रेस को संबोधित किया

समस्तीपुर। भाजपा युवा मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष तेजस्वी सूर्या ने समस्तीपुर में प्रेस को संबोधित करते हुए कहा कि बिहार चुनाव के मद्देनजर कहा की बिहार का विकास एनडीए के बदौलत ही संभव है। मौजूदा केंद्र सरकार की कामों की तारीफ करते हुए तेजस्वी सूर्या ने कहा की नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश विकास की नयी बुलंदियों को छु रहा है। अभी हाल में चुनाव पूर्व मिथिलाञ्चल में, चाहे वह दरभंगा में एम्स निर्माण हो या एयरपोर्ट की स्थापना या दो भागों में विभाजित मिथिला को कोशी महासेतु से पुनः एक करना-सभी काम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में ही संभव हो पाया है। वहीं उन्होंने मैथिली ठाकुर सरीखे कलाकारों का जिक्र करते हुए तेजस्वी ने कहा की मौजूदा सरकार की नीतियों का ही परिणाम है की डिजिटल इंडिया के मार्फत मिथिलाञ्चल के युवा वर्ग राष्ट्रीय ही नहीं, अपितु अंतरराष्ट्रीय फलक पर अपना परचम लहरा रहे हैं। वहीं पत्रकारों द्वारा राज्य में उद्योग-धंधे एवं कानून व्यवस्था की खराब स्थिति पर पुछे गए सवाल का जवाब देते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा की युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए केंद्र सरकार द्वारा कई योजनाएँ चलायी जा रही है, जिसका सीधा फायदा देश के। युवा वर्ग उठा रहे हैं और राज्य में कानून व्यवस्था की स्थिति पहले की लालू राज से काफी अच्छी हुई है।ये हम नहीं रिपोर्ट कार्ड कह रही है। राजद पर निशाना साधते हुए कहा कि पंद्रह साल पहले यहां दिनदहाड़े लोगों को अपहरण कर लेना आम बात थी, लोग यहां डर डर के जी रहे थे, ये बिहार बंशवाद एवं बाहुबली पार्टी के चंगुल में था। वही आज भाजपा जदयू गठबंधन की सरकार ने बिहार में सुशासन राज कायम किया हैं। वहीं उन्होंने युवाओं को प्रेरित करते हुए कहा कि अगर बिहार में एनडीए की सरकार बनती है तो यहां उद्योग धंधे कल कारखानों की बढ़ोतरी होगी। आगे उन्होंने कहा कि बिहारियों को नौकरी के लिए कहीं बाहर जाने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी। इस मौके पर राम सुमरन सिंह, उपेंद्र कुशवाहा, लक्ष्मी रतन शुक्ला, बीरेंद्र कुमार, मनोज गुप्ता, शुशंत अनिल समेत सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद थे।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

लो ब्लड प्रेशर

सतर्कता से करें नियंत्रित

मन और शरीर में चलने वाली उथल-पुथल का असर स्वास्थ्य पर पड़ना बहुत स्वाभाविक है। लो ब्लड प्रेशर के पीछे भी इसी तरह के कारण हो सकते हैं। ऐसे में लाइफस्टाइल और खानपान में सुधार तथा अन्य तरह से सतर्कता रखकर बहुत हद तक इस समस्या को नियंत्रित किया जा सकता है।

लक्षणों को लेकर रहें सतर्क

लो ब्लड प्रेशर के ऐसे केसेस जहां लक्षण नहीं होते, सामान्य तौर पर कोई नुकसान नहीं पहुंचाते। लेकिन इसके लक्षणों का उभरना सतर्क हो जाने का इशारा हो सकता है। लक्षणों में मुख्य रूप से शामिल हैं:

- चक्कर आना या सिर घूमना
- चक्कर खाकर गिर जाना
- एकाग्रता में कमी होना
- धुंधला दिखाई देना, नौशिया
- त्वचा का ठंडा पड़ जाना
- त्वचा का चिपचिपा या पीला पड़ जाना
- सांस का असामान्य होना
- थकान लगना आदि।

ऐसे उपजती है तकलीफ

ब्लड प्रेशर का लो होना या हाइपोटेंशन की तकलीफ का मतलब है रक्त के दबाव का 90/60 से भी कम होना। यूं सामान्य तौर पर थोड़ा-बहुत या बिना लक्षणों के ब्लड प्रेशर का लो हो जाना कोई समस्या पैदा नहीं करता लेकिन यदि इसके लक्षण स्पष्ट नजर आने लगें और बार-बार यह तकलीफ उभरने लगे, तो यह किसी अंदरूनी समस्या की ओर इशारा हो सकता है।

जैसे- मस्तिष्क, हृदय तथा अन्य प्रमुख अंगों तक रक्त के प्रवाह का अपर्याप्त होना। खासकर उम्र के बढ़ने पर इस तरह की समस्याओं के उपजने का खतरा और बढ़ सकता है। कई बार बहुत देर तक बैठे या लेटे रहकर उठने पर या लंबे समय तक खड़े रहने पर भी ब्लड प्रेशर लो हो सकता है। इसे पोस्चरल हाइपोटेंशन कहा जाता है। कई सारी अन्य ऐसी स्थितियां हैं, जो लो ब्लड प्रेशर का कारण बन सकती हैं। इनमें गर्भावस्था, हार्मोनल समस्याएं जैसे थाइरॉइड या डायबिटीज आदि, कुछ विशेष औषधियां, अल्कोहल का अधिक सेवन, हृदय संबंधी अनियमितताएं, रक्त वाहिकाओं का चौड़ा होना या फैलना और लिवर डिसीज आदि शामिल हैं। वहीं दुर्घटना, बीमारी या किसी अन्य कारण से ब्लड प्रेशर का एकदम से बहुत लो हो जाना खतरे का संकेत भी हो सकता है।

डाइट में चुनें सही विकल्प

भोजन और जीवनशैली में परिवर्तन, इस समस्या के संदर्भ में बड़ी राहत दे सकता है। कुछ इस तरह उपाय अपनाएं:

- पानी भरपूर मात्रा में पीएं। इससे रक्त की मात्रा में वृद्धि होती है तथा डिहाइड्रेशन से लड़ने में मदद मिलती है
- लंबे समय तक खड़े रहने या बैठने के बाद उठने पर यदि आपको समस्या होती है, तो उठने की गति को नियंत्रित करें। सुबह सोकर उठते समय तेजी से उठने की जगह पहले लेटे-लेटे कुछ गहरी सांसें लीजिए, फिर धीरे से बैठिए और फिर खड़े होइए। सोते समय सिर को थोडा ऊंचा रखना भी काफी मदद करेगा
- अपने डॉक्टर के मार्गदर्शन से व्यायाम को नियमित रूप से अपनाइए
- भोजन को छोटे-छोटे कई टुकड़ों में बांटकर खाइए
- आलू, चावल, पास्ता, नूडल्स और ब्रैड जैसे हाई कार्बोहाइड्रेट फूड का सेवन कम से कम करें
- अल्कोहल का सेवन बंद करने की कोशिश करें
- चाय या कॉफी का सेवन लाभ दे सकता है लेकिन इसकी मात्रा को लेकर डॉक्टर से परामर्श अवश्य लें
- व्हाइट चौला फली, सादा दही, कीवी फ्रूट, आड़ू, केला, लाल शिमला मिर्च, ब्रोकली, शकरकंद, क्विनोआ, एवोकाडो आदि इस समस्या के लिए सुपरफूड हो सकते हैं।

नाइटमेयर डिसऑर्डर:

डराके गया सपना... !

कभी-कभार आने वाले डरावने सपने सामान्य बात हैं, मगर यदि यह नियमित सिलसिला बन जाए, तो इसे विकार माना जाता है, जिसका उपचार जरूरी है।

सपने सब देखते हैं, भले ही कुछ लोगों को जागने पर ये याद न रहते हों। नींद की अवस्था में हमारा मस्तिष्क जो वैकल्पिक यथार्थ या काल्पनिक फिल्म रचकर प्रदर्शित कर देता है, उसी को हम सपना कहते हैं। मसाला फिल्मों की ही तरह हमारे सपनों में एक्शन, इमोशन, रोमांस, कॉमेडी आदि सारे तत्व मौजूद रहते हैं- कुछ कम, तो कुछ ज्यादा। कभी-कभी ये सपने हॉरर फिल्म के रूप में भी सामने आते हैं। इन्हें हम डरावना सपना, बुरा सपना, नाइटमेयर या दुःस्वप्न कहते हैं। बच्चों को डरावने सपने आना आम बात है, जिसके कारण वे रोते हुए जाग जाते हैं। मगर ऐसा नहीं है कि वयस्कों को डरावने या बुरे सपने नहीं आते। यदा-कदा ऐसे सपने हर किसी को आते हैं। डर के मारे आपकी नींद टूट जाती है, आप हड़बड़ाकर उठ बैठते हैं, धड़कन व सांस तेज चलती हुई महसूस होती है। फिर, आपको एहसास होता है कि यह तो महज एक सपना था...। तब धीरे-धीरे आप सामान्य होने लगते हैं। मगर जब यह एक नियमित सिलसिला बन जाए, बार-बार डरावने सपने के कारण आपकी नींद टूट जाए, इन सपनों के खौफ के कारण आप सोने से ही कतराने लगें, तो इसे मानसिक विकार माना जाता है, जिसे उपचार की जरूरत होती है। इसे नाइटमेयर डिसऑर्डर या पैरासोम्निया कहते हैं।

नाइटमेयर डिसऑर्डर के कारण

इस डिसऑर्डर के कई कारण हो सकते हैं। एक प्रमुख कारण तो जीवन में हुई कोई त्रासद घटना ही हो सकती है। किसी वजह से यदि आप लगातार तनाव या डिप्रेशन में हैं या फिर व्यग्र हैं, तो भी आपको नियमित रूप से बुरे सपने आ सकते हैं। शराब या ड्रग्स का सेवन भी दुःस्वप्नों का कारण बन सकता है, वहीं इनकी लत छुड़ाने की प्रक्रिया के दौरान भी ऐसे सपने आ सकते हैं। इसी प्रकार किन्हीं

दवाइयों के सेवन से या फिर इनका सेवन अचानक बंद कर देने से भी नाइटमेयर डिसऑर्डर की स्थिति बन सकती है। स्लीप एप्निया (नींद के दौरान सांस लेने में परेशानी से जुड़ी समस्या) से ग्रस्त लोग भी नियमित रूप से डरावने सपनों के शिकार हो सकते हैं। कई बार लगातार पर्याप्त नींद से वंचित रहने वाला व्यक्ति जब सोता है, तो ऐसे सपनों का शिकार हो जाता है। इसके अलावा नियमित रूप से डरावनी फिल्में देखने या डरावनी कहानी-उपन्यास पढ़ने वाले लोगों को भी ऐसे सपने आ सकते हैं। सोने से ठीक पहले भारी भोजन करना भी इसका कारण बन सकता है।

पहचान और उपचार

यदि सप्ताह में एक से अधिक बार डरावने सपने आएं, यह सिलसिला लगातार बना रहे और इसके कारण आपकी नींद बार-बार बाधित हो तथा दोबारा नींद आना मुश्किल हो जाए, तो आपको डॉक्टर को दिखाना चाहिए। डॉक्टर पॉलीसोम्नोग्राफी नामक टेस्ट कराने को कह सकते हैं, जिसमें नींद के दौरान हृदय गति, मस्तिष्क तरंगों, ऑक्सीजन के स्तर, सांसों तथा आंखों व टांगों की हरकतों को रेकॉर्ड करने के लिए शरीर के विभिन्ना हिस्सों में सेंसर लगाए जाते हैं। इस टेस्ट के परिणाम के आधार पर डॉक्टर उपचार तय कर सकते हैं। यदि डरावने सपनों का कारण तनाव या डिप्रेशन है, तो उसका उपचार किया जाता है। यदि किसी दवाई के साइड इफेक्ट के कारण ऐसा हो रहा है, तो डॉक्टर वैकल्पिक दवाई बता सकते हैं। नशीले पदार्थ यदि कारण है, तो उनका सेवन बंद करने से दुःस्वप्नों की समस्या भी दूर हो सकती है।

स्किन के लिए बेस्ट है बेसन

बेसन का इस्तेमाल आप खाने में तो बहुत बार करते हैं लेकिन स्किन के लिए भी इसे बेस्ट माना जाता है। त्वचा से जुड़ी कोई भी समस्या बेसन के इस्तेमाल से दूर की जा सकती है। हमारी दादी-नानी भी अपनी खूबसूरती में निखार लाने के लिए बेसन का इस्तेमाल करती हैं। मुंहासों से लेकर गोरी त्वचा तक बेसन पेक फायदेमंद है। बेसन का लगातार इस्तेमाल करने से त्वचा में चमक आती है।

ड्राई स्किन

सर्दी के मौसम में त्वचा रूखी हो जाती है ऐसे बेसन में मलाई या दूध, शहद और एक चुटकी हलदी मिक्स करके लगाएंगे तो ड्राई स्किन से राहत और नैचुरल नमी मिलेगी।

ऑयली स्किन

ऑयली स्किन के लिए भी बेसन बेस्ट है। बेसन में गुलाब जल मिलाकर लगाने से चेहरे पर फ्रैशनेस आती है। बेसन में गुलाब जल मिलाकर पेस्ट तैयार करें और चेहरे पर लगाएं। पेक सूखने के बाद इसे गुनगुने पानी से धो लें। इससे फालतू ऑयल गायब होगा और चेहरे को फ्रैशनेस मिलेगी।

टैन स्किन

अगर धूप या रोजाना डस्ट की वजह से स्किन टैनिंग हो गई है तो भी बेस्न बेस्ट है। 2 टीस्पून बेसन लें। उसमें चुटकी भर हलदी, कुछ बूंदे नींबू की और थोड़ा सा दही मिक्स कर लें। इस पेस्ट को चेहरे और बॉडी पर लगाएं। जब यह सूख जाए तो पानी से इसे धो लें। ऐसा कुछ दिन लगातार करें आपको फर्क दिखाई देगा।

मुंहासों वाली स्किन

मुंहासों से परेशान हैं तो एक चम्मच बेसन, चंदन पाऊडर और दूध को मिक्स करके पेस्ट तैयार करें। इसे पेस्ट को रोजाना चेहरे पर लगाएं और फर्क देखें। आप पेस्ट में चुटकी भर हल्दी भी डाल सकते हैं। इसके अलावा बेसन में शहद मिलाकर चेहरे पर लगाने से मुंहासों से राहत मिलती है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

कंगना का आरोप

बॉलीवुड एक्ट्रेस कंगना रनौत पिछले कुछ समय से अपने बयानों की वजह से दिक्कतों का सामना कर रही हैं। एक्ट्रेस और शिवसेना के बीच सोशल मीडिया पर जिस तरह से जुबानी जंग देखने को मिली उससे तो अब सभी वाकिफ हैं। जिस तरह से कंगना के ऑफिस को तोड़ा गया उसका भी सोशल मीडिया पर भारी विरोध देखने को मिला। कंगना रनौत को भी इस बात से बहुत दुख हुआ है और वे इस मामले में लीगल एक्शन चाहती हैं। वहीं इसी बीच सोशल मीडिया पर रह-रह कर वे बीएमसी को घेरे में भी ले रही हैं। हालिया ट्वीट में कंगना ने बीएमसी पर दवाब बनाने का आरोप लगाया है। कंगना के मुताबिक बीएमसी ने उनके पड़ोसियों को डराया-धमकाया है कि वे एक्ट्रेस के फेवर में ना बोलें वरना उनके घरों का भी ऐसा ही हश्र किया जाएगा। कंगना ने ट्विटर पर लिखा- बीएमसी ने मेरे सारे पड़ोसियों को नोटिस जारी की है और कहा है कि वे सभी मुझे पूरी तरह से नजरअंदाज करें और मेरा समर्थन ना करें। उन्होंने कहा है कि अगर वे मुझे सपोर्ट करेंगे तो उनके घर का भी वही हाल किया जाएगा जो मेरे घर का किया गया है। मेरे पड़ोसियों ने महाराष्ट्र सरकार के बारे में कुछ भी गलत नहीं कहा है। कृपया उनके घरों को छोड़ दें।

'मैं स्मोक करता था, क्योंकि मैं बेवकूफ था'

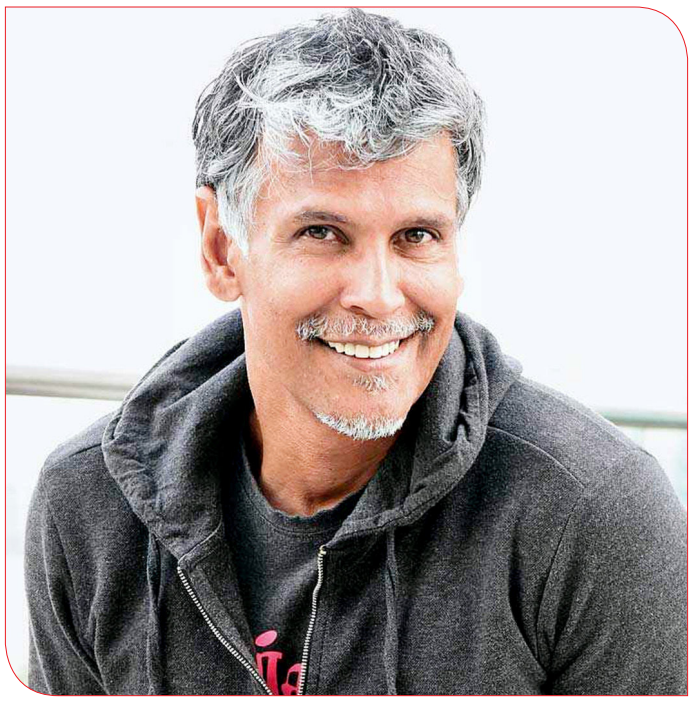

एक्टर मिलिंद सोमन अक्सर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर फिटनेस को देशभर में प्रमोट करने को लेकर फोकस करते आए हैं। वे खुद अपनी फिटनेस को काफी गंभीरता से लेते हैं और यही कारण है कि वे कई सालों पहले ही स्मोकिंग भी छोड़ चुके हैं। हाल ही में उन्होंने फैंस के साथ बातचीत में इस बारे में बताया है। मिलिंद से एक फैन ने पूछा कि क्या स्मोकिंग नहीं करने वाले लोग भी मिलिंद की तरह ही फिट होते हैं? इस पर रिएक्ट करते हुए मिलिंद ने कहा कि मैं पहले स्मोक किया करता था क्योंकि मैं बेवकूफ था। क्या ऐसा ही सभी स्मोकर्स के साथ है? इसके बाद एक फैन ने लिखा- अब आप फिट हैं क्योंकि आप बुद्धिमान हैं। मिलिंद ने एक बार फिर अपनी हाजिरजवाबी दिखाई और लिखा- मैं हमेशा से ही फिट था लेकिन हमेशा से बुद्धिमान नहीं था। इसके कुछ घंटों बाद मिलिंद ने एक वीडियो भी पोस्ट किया जिसमें वे अपने मॉर्निंग फिटनेस रूटीन के बारे में बता रहे थे। इस वीडियो में मिलिंद सिंपल बैलेंस एक्सरसाइज को प्रैक्टिस करते नजर आए। उन्होंने इस वीडियो के कैप्शन में लिखा- ये बेसिक स्ट्रेंथ, फ्लेक्सिबिलीटी और बैलेंस है जिसे मुझे बरकरार रखने की जरूरत पड़ती है ताकि मैं अपनी बॉडी को कंफर्टबल तरीके से मूव करा सकूं।

A.B.V.M. AGRAWAL JATIYA KOSH'S
G.D.JALAN COLLEGE
OF SCIENCE, COMMERCE & ARTS
Estd. : 2011
Upper Govind Nagar, Malad (East), Mumbai 400 097.
AFFILATED TO UNIVERSITY OF MUMBAI & M.S. BOARD, PUNE
A Sister Concern of S.J.PODDAR ACADEMY (ICSE) • Linguistic MARWARI Minority College

COURSES OFFERED

JUNIOR COLLEGE
UDISE Code No. : 27230600241

F.Y.J.C. & S.Y.J.C. SCIENCE : General & Science with I.T
COLLEGE CODE : MU248SPE

F.Y.J.C. & S.Y.J.C. COMMERCE : General & Commerce with I.T
COLLEGE CODE : MU248CPE / MU248CFE

DEGREE COLLEGE

SCIENCE : CBZ (Chemistry, Botany & Zoology)
COMMERCE : Regular (Optional Subject : I.T.)
ARTS : Psychology, Economics & English
COLLEGE CODE : 527

OUR COLLEGE HELPS THE STUDENTS IN

- One-on-One Mentoring
- Improving Communication Skills
- Confidence Building
- Personality Development
- Updating their Knowledge in Latest Technology
- Successfully completing industry-Guided Certificate Programs
- Starting their own venture
- Internships and placements

Upper Govind Nagar, Malad (East), Mumbai 400 097.
022-40476030 gdjalancollege@gmail.com
www.gdjalan.edu.in